


---

murukAShTakam

——  
मुरुकाष्टकम्

——  
Document Information



---

Text title : murukAShTakam

File name : murukAShTakam.itx

Category : aShTaka, subrahmanya

Location : doc\_subrahmanya

Transliterated by : PSA Easwaran, Sivakumar Thyagarajan

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : September 13, 2015

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



मुरुकाष्टकम्

---



ॐ श्री गणेशाय नमः

मुरुकष्यणमुखस्स्कन्दः सुब्रह्मण्यशिशवात्मजः ।

वल्लीसेनापतिः पातु विघ्नराजानुजस्सदा ॥ १ ॥

मुरुक श्रीमतान्नाथ भोगमोक्षप्रद प्रभो ।

देवदेव महासेन पाहि पाहि सदा विभो ॥ २ ॥

मुरुकं मुक्तिदं देवं मुनीनां मोदकं प्रभुम् ।

मोचकं सर्वदुःखानां मोहनाशं सदा नुमः ॥ ३ ॥

मुरुकेण मुकुन्देन मुनीनां हार्दवासिना ।

वल्लीशेन महेशेन पालितास्सर्वदा वयम् ॥ ४ ॥

मुरुकाय नमः प्रातः मुरुकाय नमो निशि ।

मुरुकाय नमः सायं मुरुकाय नमो नमः ॥ ५ ॥

मुरुकात्परमात्सत्याद्वाङ्मेयाच्छिखिवाहनात् ।

गुहात्परं न जानेऽहं तत्त्वं किमपि सर्वदा ॥ ६ ॥

मुरुकस्य महेशस्य वल्लीसेनापतेः प्रभोः ।

चिदम्बरविलासस्य चरणौ सर्वदा भजे ॥ ७ ॥

मुरुके देवसेनेशे शिखिवाहे द्विषड्भुजे ।

कृत्तिकातनये शम्भौ सर्वदा रमतां मनः ॥ ८ ॥

इति मुरुकाष्टकं सम्पूर्णम् ॥



*murukAShTakam*

pdf was typeset on September 17, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

